

कषेत्रीय परिषद

प्रलिस के ललल:

कषेत्रीय परिषदें, इसकी संरचना, उद्देश्य और कार्य ।

मेन्स के ललल:

सहकारी संघवाद, राज्य पुनर्रगठन अधनललम 1956 ।

चरचा में क्यौं?

हाल ही में गृहमंत्रल ने [दलव](#) में पश्चमी कषेत्रीय परिषद की 25वीं बैठक की अधयकषता की ।

प्रमुख बदल

- [ग्रामीण कषेत्रों में बैंकल सेवाओं में सुधार](#) ।
- महिलाओं और बच्चों के खललफ बलात्कार और यौन अपराधों के मामलों की नगरलनी तथा नरलकरण के ललल [फासट ट्रैक कोरट](#) का कारयान्वयन ।
- गहरे समुद्रों में [समुद्री मछुआरों](#) की पहचान का सत्यापन ।
- गहरे समुद्रों में बड़े पैमाने पर बचाव अभयलन के ललल तटीय राज्यों द्वारा स्थानीय आपातकालीन योजना का वकलस और सार्वजनक खरीद में वरीयता के माध्यम से [मेक इन इंडयल](#) पहल को प्रोत्साहलत करना ।
- सीमा, सुरकषा, बुनयलदी ढाँचा परवलहन और पश्चमी राज्यों एवं उद्योगों से संबंधलत वभलनन मुद्दे ।

कषेत्रीय परिषद

परचलल:

- कषेत्रीय परिषदें [वैधानकल \(संवैधानकल नहीं\) नकलय हैं](#) ।
- ये संसद के एक अधनललम, यानी [राज्य पुनर्रगठन अधनललम 1956](#) द्वारा स्थापलत कयल गए हैं ।
- इस अधनललम ने देश को पाँच कषेत्रों- उत्तरी, मध्य, पूर्वी, पश्चमी और दकषणी में वभलजतल कयल तथा प्रत्येक कषेत्र के ललल एक कषेत्रीय परिषद प्रदान की ।
- इन कषेत्रों का नरलमाण करते समय कई कारकों को धयान में रखा गया है जलनमें शामिल हैं:
 - देश का प्राकृतक वभलजन,
 - नदी प्रणाली और संचार के साधन,
 - साँस्कृतकल व भाषायी संबंध
 - आर्थकल वकलस, सुरकषा एवं कानून व्यवस्था की आवश्यकता ।
- उपरयुक्त कषेत्रीय परिषदों के अलावा, संसद के एक अलग अधनललम वर्ष 1971 के उत्तर-पूर्वी परिषद अधनललम द्वारा एक उत्तर-पूर्वी परिषद बनाई गई थी ।
 - इसके सदस्यों में असम, मणपुर, मजरम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मेघालय, त्रपुरा और सकरकमल शामिल हैं ।
 - ये सलाहकार नकलय हैं जो केंद्र और राज्यों के सीमा ववलदों, भाषाई अल्पसंख्यकों, अंतर-राज्यीय परवलहन या राज्यों के पुनर्रगठन से जुड़े मामलों के बीच आर्थकल और सामाजकल योजना के कषेत्र में सामान्य हलत के कसीं भी मामले के संबंध में सफररलें करते हैं ।

संरचना:

- [उत्तरी कषेत्रीय परिषद](#): इसमें हरयलणा, हलमलचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान राज्य, राष्ट्रीय राजधानी कषेत्र दललली और संघ राज्य कषेत्र चंडीगढ़, जममू और कश्मीर तथा लददाख शामिल हैं ।
- [मध्य कषेत्रीय परिषद](#): इसमें छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश राज्य शामिल हैं ।
- [पूर्वी कषेत्रीय परिषद](#): इसमें बहलर, झारखंड, उड़ीसा और पश्चमी बंगाल राज्य शामिल हैं ।

- **पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद:** इसमें गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र राज्य और संघ राज्य क्षेत्र दमन-दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली शामिल हैं।
- **दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद:** इसमें आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, राज्य और संघ राज्य क्षेत्र पुदुचेरी शामिल हैं।
- **संगठनात्मक ढाँचा**
 - **अध्यक्ष:** केन्द्रीय गृह मंत्री इन सभी परिषदों के अध्यक्ष होता है।
 - **उपाध्यक्ष—** प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद में शामिल किये गए राज्यों के मुख्यमंत्री, रोटेशन से एक समय में एक वर्ष की अवधि के लिये उस अंचल के आंचलिक परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं।
 - **सदस्य:** मुख्यमंत्री और प्रत्येक राज्य से राज्यपाल द्वारा यथा नामति दो अन्य मंत्री और परिषद में शामिल किये गए संघ राज्य क्षेत्रों से दो सदस्य।
 - **सलाहकार:** प्रत्येक क्षेत्रीय परिषदों के लिये योजना आयोग (अब नीतिआयोग) द्वारा नामति एक, मुख्य सचिव और जोन में शामिल प्रत्येक राज्य द्वारा नामति एक अन्य अधिकारी/विकास आयुक्त होते हैं।
- **उद्देश्य:**
 - राष्ट्रीय एकीकरण को साकार करना।
 - **तीव्र राज्यक संचेतना, क्षेत्रवाद तथा विशेष प्रकार की प्रवृत्तियों के विकास को रोकना।**
 - केंद्र एवं राज्यों को वचारों एवं अनुभवों का आदान-प्रदान करने तथा सहयोग करने के लिये सक्षम बनाना।
 - विकास परियोजनाओं के सफल एवं तीव्र नष्पादन के लिये राज्यों के बीच सहयोग के वातावरण की स्थापना करना।
- **परिषदों के कार्य:**
 - आर्थिक और सामाजिक नयोजन के क्षेत्र में सामान्य हति का कोई भी मामला;
 - सीमा विवाद, भाषाई अल्पसंख्यकों या अंतर-राज्यीय परविहन से संबंधित कोई भी मामला;
 - राज्य पुनर्गठन अधिनियम के तहत राज्यों के पुनर्गठन से संबंधित या उससे उत्पन्न कोई भी मामला।

यू.पी.एस.सी. सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs)

नमिनलखिति में से कसि नकियाय/कनि नकियायों का संवधान में उल्लेख नहीं है? (2013)

1. राष्ट्रीय विकास परिषद
2. योजना आयोग
3. क्षेत्रीय परिषदें

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

स्रोत :पी.आई.बी.